Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In January 2017

विश्वस्तर पर होगी गुजवि की पहचान : प्रो. टंकेश्वर

नववर्ष के अवसर पर कर्मचारियों से मिलते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। ● जागरण

जासं, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में नववर्ष के उपलक्ष पर सोमवार को समारोह का आयोजन किया गया। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस भवन के सामने हुए समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। उनके साथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर भी थे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि बीता वर्ष विश्वविद्यालय के लिए नई उपलब्धियों का वर्ष रहा है। आगामी वर्ष में हमें इन उपलब्धियों को और अधिक ऊंचाईयां देनी हैं। विश्वविद्यालय की अब देश में पहचान है। अब इस पहचान को विश्व स्तर पर ले जाना है। इस विश्वविद्यालय में जबरदस्त वर्क कल्चर है। हमें इस वर्क कल्चर को न केवल बनाए रखना है, बल्कि इसे और अधिक बढ़ावा देना है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

दैनिक जागरण - 3/1/17

गुजवि में मनाया नया साल

हिसार। नववर्ष के उपलक्ष्य पर गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय में सोमवार को एक समारोह का आयोजन किया गया। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस भवन के सामने हुए इस समारोह में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कर्मचारियों को शुभकामनाएं दी। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि बीता वर्ष विश्वविद्यालय के लिए नई उपलब्धियों का वर्ष रहा है और आगामी वर्ष में हमें इन उपलब्धियों को और ऊंचाईयां देनी हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की अब देश में पहचान बन चुकी है, जिसे अब विश्व स्तर पर ले जाना है। इस विश्वविद्यालय में शानदार वर्क कल्चर है, जिसे अधिक बढ़ावा देना है। इस अवसर पर कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर के अलावा सभी संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद थे।

हरिभूमि - 3/1/17

बचत हर साल एक से डेढ़ करोड़ रुपये की होगी बचत, विश्वविद्यालय अभी 40 लाख रुपये प्रति माह देता है बिल

गुजवि में छतों पर लगेगा सौर ऊर्जा का प्लांट

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय सौर ऊर्जा के एक मेगावाट तक का प्लांट लगाने वाला पहला विश्वविद्यालय बनने जा रहा है। इसको लेकर एक निजी कंपनी से अनुबंध हुआ है। प्लांट में सौर ऊर्जा की प्लेट सात टीचिंग ब्लॉक, लाइब्रेरी, प्रशासनिक भवन की छतों पर लगाई जाएगी। इस प्लांट से हर साल एक से डेढ़ करोड़ रुपये का विश्वविद्यालय को फायदा होगा। विश्वविद्यालय में सात टीचिंग ब्लॉक, प्रशासनिक भवन, बायोनैनो विभाग, हॉस्टल, आवास, लाइब्रेरी आदि बिल्डिंग के लिए 1800 मेगावॉट का कनेक्शन लिया हुआ है। हॉट लाइन के इस कनेक्शन पर विश्वविद्यालय हर साल करीब 40 लाख रुपये बिल देता है। विश्वविद्यालय की तरफ से लोड बढ़वा कर 2500 किलोवाट तक किया जाना था, लेकिन इसी दौरान सौर ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए एक मेगावाट का प्लांट लगाने पर सहमति बनी और जैक्सन कंपनी की तरफ से यह प्लांट लगाया जाएगा।

गुजवि की लाइब्रेरी पर लगेगा सौर ऊर्जा प्लांट। ● जागरण

यहां-यहां लगेगा प्लांट

विश्वविद्यालय की सात टीचिंग ब्लॉक, प्रशासनिक भवन, लाइब्रेरी की छत पर यह सौर ऊर्जा प्लांट लगाया जाएगा। उस सौर ऊर्जा प्लेट से बिजली होते हुए प्लांट में आएगी और इन भवन को मिलेगी। इन बिल्डिंग में फिजिक्स, प्रिंटिंग, पर्यावरण विभाग, मास कम्युनिकेशन, कंप्यूटर विभाग, गणित, साइकोलॉजी सहित अन्य विभाग व उनकी मशीनें चल रही है।

बिजली बेचने पर विचार

विश्वविद्यालय में पूरे साल में तीन माह कम काम होता है। इस दौरान परीक्षाएं, छुट्टी व अन्य गतिविधियों के कारण बिजली ज्यादा प्रयोग नहीं होती है। इसलिए बिजली निगम से फालतू बिजली को बेचने पर विचार चल रहा है। इसको लेकर निजी कंपनी की तरफ से निगम से बातचीत की जा रही है।

25 साल का होगा कांट्रेक्ट

विश्वविद्यालय ने कंपनी से 25 साल का कांट्रेक्ट किया है। यह प्लांट लगाने के बाद विश्वविद्यालय को बिजली बोर्ड से मिल रही बिजली के रेट से करीब तीन रुपये सस्ती पड़ेगी।

बिल्डिंग, लाइब्रेरी, प्रशासनिक भवन पर इसकी प्लेट लगेंगी। विश्वविद्यालय को काफी लाभ होगा।
प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय

दैनिक जागरण - 3/1/17

जीजेयू स्वीमिंग पूल का नक्शा तैयार

अगले हफ्ते विश्वविद्यालय के टेक्निकल एडवाइजर के सामने रखी जाएगी प्रेजेंटेशन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

जीजेयू में बनाए जाने वाले स्वीमिंग पूल का नक्शा तैयार हो गया है। अगले हफ्ते इसकी प्रेजेंटेशन विश्वविद्यालय के टेक्निकल एडवाइजर के सामने रखी जाएगी। इस दौरान विश्वविद्यालय की कंस्ट्रक्शन कमेटी के सदस्य भी उपस्थित होंगे। यह स्वीमिंग पूल सीपीडब्ल्यूडी द्वारा बनाया जाना है।

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में बनने वाले स्विमिंगपूल का नक्शा सीपीडब्ल्यूडी यानि सेंट्रल पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने तैयार किया है। अगले हफ्ते चंडीगढ़ से सीपीडब्ल्यूडी की टीम विश्वविद्यालय में आ सकती है। जो विश्वविद्यालय के टेक्निकल एडवाइजर व अन्य सदस्यों के सामने पूल के नक्शे को लेकर अपनी प्रेजेंटेशन देगी।

प्रेजेंटेशन में स्वीमिंग पूल से संबंधित कई पहलुओं पर विचार किया जाएगा। इसके बाद स्विमिंग पूल के नक्शे को फाइनल किया जा सकता है। प्रेजेंटेशन के दौरान विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, चीफ आर्किटेक्ट, सीनियर इंजीनियर, एक्सईएन, डायरेक्टर ऑफ स्पोर्ट्स मौजूद रहेंगे। जीजेयू में अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्वीमिंग के बनने का एलान जनवरी 2015 में हुआ था। पिछले दो वर्षों से स्वीमिंग पूल के बनने का इंतजार किया जा रहा है।

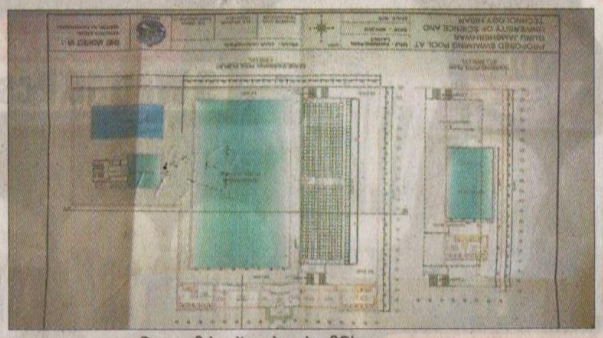

हिसार। जीजेयू में बनने वाले स्वीमिंग पूल का नक्शा।

इसके लिए यूजीसी ने भी अपनी मंजूरी दे दी थी। यूजीसी ने पूल के लिए 2 करोड़ 35 लाख की ग्रांट भी सेंक्शन की थी। शुरुआत में इसे विश्वविद्यालय के वर्क्स डिपार्टमेंट को ही बनाना था। लेकिन बाद में इसे सीपीडब्ल्यूडी को सौंप दिया गया था।

दो स्वीमिंग पूल बनेंगे शुरुआत में: जीजेयू में बनने वाला मुख्य स्वीमिंग पूल 8 लेन का होगा। इसमें अलावा भी तीन स्वीमिंग पूल बनाए जाने हैं, लेकिन शुरुआत में केवल दो स्वीमिंग पूल ही बनाए जाएंगे। डाइविंग व किड्स स्वीमिंग पूल का निर्माण मुख्य स्विमिंग पूल और वार्मिंग पूल के बाद में किया जाएगा। स्वीमिंग पूल के पूरे निर्माण के लिए साढ़े चार से पांच करोड़ की लागत का अनुमान लगाया जा रहा है।

चंडीगढ़ से नक्शा आ गया है। अगले हफ्ते वहां से आर्किटेक्ट की टीम आ सकती है। जो विश्वविद्यालय के टेक्निकल एडवाइजर व कमेटी के सामने अपनी प्रेजेंटेशन देगी।

- डॉ. एसबी लूथरा, डायरेक्टर स्पोर्ट्स, जीजेयू हिसार।

अमर उजाला 5/1/17

कश्मीर है जहां तिरंगे झंडे फाड़े जाते हैं, 47 के बंटवारे के...

कवियों की कविताओं से गूंजा जीजेयू का ऑडिटोरियम

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

काश्मीर जो सूरज के बेटे की रजधानी थी, डमरू वाले शिव शंकर की जो घाटी कल्याणी थी।

काश्मीर जो भूमंडल का स्वर्ग बताया जाता था, जिसकी मिट्टी को दुनिया में अर्घ्य चढ़ाया जाता था।

कश्मीर है जहां तिरंगे झंडे फाड़े जाते हैं, सैंतालीस के बंटवारे के घाव उघाड़े जाते हैं...।

...वीर रस के मशहूर कवि हरिओम पंवार ने रविवार को हुए कवि सम्मेलन में अपनी कविता के माध्यम से घाटी के दिल की धड़कन को शहर के लोगों तक पहुंचाया तो श्रोताओं के रोंगटे खड़े हो गए। पूरा ऑडिटोरियम तालियों से गूंजता रहा। कवि सम्मेलन में आए सभी कवियों ने एक से बढ़कर एक कविता सुनाकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जीजेयू के चौधरी रणबीर सिंह सभागार में सैकड़ों लोग देश के प्रसिद्ध कवियों को सुनने पहुंचे थे। यह हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन भारत विकास परिषद की तरफ से आयोजित करवाया गया था। सम्मेलन में लखीमपुर खीरी से आए वीररस के कवि आशीष अनल ने भी अपनी कविताओं से लोगों का मनोरंजन किया।

हूं बाप बेटी का, डरता रहता हूं अंदर से: फरीदाबाद से उप जिला शिक्षा अधिकारी के पद से रिटायर्ड एवं सबसे अधिक विदेश यात्रा करने वाले दिल्ली के हास्य-व्यंग कवि सरदार मंजीत सिंह ने बाप के मन में बेटियों के प्रति चिंता को व्यक्त करते हुए सुनाया कि...है जलती आग सीने में, नहीं डरता सिकंदर से, मगर हूं बाप बेटी का, डरा रहता हूं अंदर से। उनकी इस कविता ने लोगों की भावनाओं को झकझोर कर रख दिया।

कलदार भारी होता है 2 हजार के नोट से: अजमेर से आए हास्य व्यंग्य कवि रास बिहारी गौड़ ने मंच संचालन करते हुए लोगों को खूब हंसाया। उन्होंने 2 हजार और 10 के नोट के चलन पर लिखी कविता में नोटों और सिक्कों की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए सुनाया कि....2 हजार का नोट कह रहा है, तू मुझसे बात कर रहा, तू खुद सिक्कों में ढल रहा है। इस पर दस का नोट कहता है- सिक्के छोटे बच्चे हैं, अच्छे हैं, दिल के सच्चे हैं। बजकर चलते हैं डंके की चोट से, तोल कर देख लो कलदार भारी होता है 2 हजार के नोट से।

मर जाऊं तो सिर्फ तिरंगे का कफन देना: श्रृंगार रस की गायिका एवं गजलकार अना दहलवी ने लोगों को मार्मिक कविता सुनाते हुए तिरंगे के सम्मान की और लोगों का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि किरण देना, सुमन देना, चमन देना न धन देना।

वतन वालो मुझे तो सिर्फ इतना सा वचन देना। अना दिल में मेरे कोई तमन्ना है तो इतनी है। अगर मर जाऊं तो मुझको सिर्फ तिरंगे का कफन देना।

हिसार। जीजेयू में पत्रकारों से रू-ब-रु होते कवि हरिओम पंवार, रासबिहारी गौड़।

हरियाणा का कल्चर अब केवल एग्री कल्चर नहीं : हरिओम

हिसार। जीजेयू में भारत विकास परिषद की ओर से आयोजित कवि सम्मेलन में राष्ट्रीय कवि हरिओम पंवार ने मीडिया से खुलकर बात की। नोटबंदी और स्वस्थ होने के दो महीने बाद पहली बार मीडिया व कवि सम्मेलन में आए हरिओम पंवार ने कहा कि हरियाणा का कल्चर अब केवल एग्री कल्चर नहीं रहा। हरियाणा ने सभी मामलों में विकास किया है। हम अमेरिका से पीछे हैं। क्योंकि हमारे डेमोक्रेसी को मात्र 70 वर्ष हुए है। जिस दिन हमारी डेमोक्रेसी को अमेरिका की तरह 214 साल की हो जाएगी। तब भारत विश्व गुरु होगा। सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन लोकतंत्र धीरे-धीरे ही विकसित होता है। पिछली सरकार में मनमोहन सिंह बोलते नहीं थे। अब ऐसे भी हैं जो चुप ही नहीं होते।

जे पी आंदोलन से हुई कविता लिखने की शुरुआत : उन्होंने बताया कि उन्होंने कभी हिंदी नहीं पढ़ी। जे पी आंदोलन में हिस्सा लिया और उसके लिए कविताएं लिखनी शुरू कर दी थी। उन्होंने कहा कि मैं सिद्ध नहीं, प्रसिद्ध कवि हूं। सिद्ध होने से पहले ही प्रसिद्ध हो गया। उन्होंने एक सवाल पर बताया कि वे अपने एनजीओ के माध्यम से गरीब बच्चों की मदद करते हैं। 600 गरीब बच्चों को पढ़ाते हैं। सालाना 7-8 लाख रुपये गरीब बच्चों पर लगाते हैं। उन्होंने कहा कि नई युवा पीढ़ी कविता नहीं सुनना चाहती।

पीएम की तारीफ, राहुल केजरीवाल पर तंज

हिसार। कवि हरिओम पंवार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की। वहीं राहुल गांधी और सीएम केजरीवाल पर तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि मोदी ने दुनिया को 56 इंची सीने का अहसास कराया। इसका देश को गर्व है। दिल्ली की खामोशी पर हम शर्मिंदा रह जाते हैं, भारत मुर्दाबाद बोलकर वो जिंदा रह जाते हैं...कविता पेश कर युवाओं में जोश भरा। कवि प्रवीण शुक्ला ने भी कविता सुनाई

अमर उजाला - 9/1/17

प्रवेश परीक्षा | परीक्षा संचालन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए

गुजवि में 353 अभ्यर्थियों ने दी पीएचडी परीक्षा

- फिजीक्स में सर्वाधिक 71 छात्रों ने भाग्य आजमाया

हरिभूमि न्यूज. हिसार

गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में पीएचडी में दाखिले के लिए मंगलवार को प्रवेश परीक्षा हुई। परीक्षा संचालन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा पुख्ता इंतजाम किए थे।

विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने परीक्षा केंद्रों में जाकर परीक्षा संचालन का निरीक्षण किया। परीक्षा नियंत्रक प्रो. कुलदीप बंसल ने बताया कि परीक्षा सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक, दोपहर 12.30 से 2.30 बजे तक तथा दोपहर बाद 3 से सायं 5 बजे तक तीन सत्रों में हुई। उन्होंने बताया कि पहले सत्र में कम्प्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग, फिजिक्स, बायोटेक्नॉलोजी, फार्मास्यूटिकल साईंसिज, कम्युनिकेशन मैनेजमेंट एंड टेक्नॉलोजी, अप्लाइड साइकॉलोजी व मेकेनिकल इंजीनियरिंग, दूसरे सत्र में फूड टैक्नॉलोजी, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इनवार्यनमेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग, रिलीजियस स्टडीज, माइक्रोबायोलोजी, फिजियोथेरेपी व प्रिंटिंग टेक्नॉलोजी तथा तीसरे सत्र में नैनो साईंस एंड टैक्नॉलोजी विभागों में दाखिले के लिए परीक्षा हुई। पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए 428 आवेदकों ने आवेदन किया था जिसमें से 353 आवेदकों ने प्रवेश परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा परिणाम 11 जनवरी तक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करवा दिया जाएगा। सभी संबंधित विभागों में दाखिले के लिए इंटरव्यू-कम-काऊंसलिंग 16 जनवरी को होगी।

हिसार। गुजवि में परीक्षा संचालन का निरीक्षण करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विभाग का नाम	आवेदक
कम्प्यूटर साईंस	27
फिजिक्स	71
कम्युनिकेशन मैनेजमेंट	44
फार्मास्यूटिकल साईंसिज	33
बायोटेक्नॉलोजी	36
इनवार्यनमैंटल साइंस	22
मैकेनिकल इंजीनियरिंग	19
रिलीजियस स्टडीज	16
प्रिंटिंग टेक्नॉलोजी	18
नैनो साइंस एंड टेक्नॉलोजी	11
फूड टेक्नॉलोजी	13

हरिभूमि - 11/1/17

हॉस्टलर्स को इंटरनेशनल स्टैंडर्ड का मिलेगा पेयजल

जीजेयू के हॉस्टलों में विद्यार्थियों को मिलेगी सुविधा, 2 लाख कीमत का आरओ लगा

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

जीजेयू के हॉस्टलों में विद्यार्थियों को अब इंटरनेशनल स्टैंडर्ड की गुणवत्ता का पानी मिलेगा, जिससे विद्यार्थियों की पीने के पानी की समस्या अब दूर हो जाएगी। ब्वॉयज हॉस्टल नंबर दो में विश्वविद्यालय प्रशासन ने करीब 2 लाख की कीमत वाला आरओ ट्रायल के तौर पर लगवाया है, जिसकी सफलता के बाद अब अब विश्वविद्यालय के सभी हॉस्टलों में ये आरओ सिस्टम लगवाए जाएंगे। यह सिस्टम अब तक की सबसे एडवांस टेक्नोलॉजी पर आधारित है।

विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर एवं हॉस्टल वार्डन डॉ. विकास वर्मा ने बताया कि यह वाटर प्यूरिफायर सिस्टम ओजोनेशन तकनीक पर आधारित है। जो दुनिया की सबसे एडवांस टेक्नोलॉजी है। यह पानी में मोटे आर्गेनिक कंपाउंड को भी तोड़ देती है और टीडीएस की मात्रा को 100 मिलीग्राम प्रति लीटर तक ले आता है, जिससे पानी पूरी तरह से शुद्ध हो जाता है। बीएच टू के बाद अब ब्वायज हॉस्टल तीन में भी यह वॉटर प्यूरिफायर सिस्टम लगवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

पानी में मिलाई जाती है ऑक्सीजन

यह पानी को शुद्ध करने की अब तक की सब से एडवांस टेक्नोलॉजी है। 'ओजोनेशन' एक प्रक्रिया है, जिसमें ऑक्सीजन को ओजोन में परिवर्तित कर पानी में मिलाया जाता है। इस ओजोन मिश्रित पानी में किसी भी प्रकार के बैक्टीरिया, कीटाणु, रसायन या जैविक गंदगी नहीं टिक पाते और पानी पूरी तरह से शुद्ध हो जाता है।

यह अब तक की सबसे एडवांस टेक्नोलॉजी है। इसे कॉमर्शियल आरओ भी कहा जाता है। विश्वविद्यालय के सभी हॉस्टलों में इसे लगाया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को पूरी तरह से शुद्ध पानी मिलेगा।

- डॉ. विकास वर्मा, वॉर्डन, हॉस्टल नंबर दो, जीजेयू

हिसार। जीजेयू में आये नए प्यूरीफायर।

क्या है टीडीएस

टीडीएस पानी में घुले मिनरल हैं। इनमें कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम, सोडियम बाइकाबोर्नेट्स, क्लोराइड्स और सल्फेट्स आते हैं। थोड़ी मात्रा में ऑर्गेनिक मैटर भी होते हैं। पानी में टीडीएस का लेवल सामान्य रूप से 400 एमजी प्रति लीटर से अधिक नहीं होना चाहिए।

वेस्ट वॉटर से होगी गार्डनिंग

यह वॉटर प्यूरिफायर सिस्टम पूरी तरह से ऑटोमैटिक है। शुद्ध पानी का टैंक भरने के बाद सिस्टम अपने आप बंद हो जाता है। वहीं इस प्यूरिफायर सिस्टम से निकलने वाला वेस्ट वॉटर गार्डनिंग के लिए इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे पानी की बचत होगी।

कुलपति से मिले हौंटिया कार्यकारिणी के सदस्य

हिसार (ब्यूरो)। एचएयू की नॉन टीचिंग एसोसिएशन हौंटिया की कार्यकारिणी के सदस्यों ने मंगलवार को कुलपति से मुलाकात की। कुलपति से कार्यकारिणी की पहली मुलाकात में प्रधान राजबीर पूनिया ने कुलपति के सामने कर्मचारियों से संबंधित कई मुद्दे रखे। उन्होंने कुलपति को जेई को मिलने वाले पीडब्ल्यू पैटर्न पर एसीपी, क्लर्क से सहायक के पद पर पदोन्नति तथा बैंक में रुपयों को लेकर हो रही परेशानियों से अवगत करवाया गया। हौंटिया के प्रेस सचिव गोपाल सिंह ने बताया कि कुलपति ने उनकी सभी मांगों पर विस्तृत चर्चा की और सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया। कुलपति ने विवि परिसर में दो और बैंकों को लाने का आश्वासन दिया। इस मुलाकात के दौरान धर्मवीर शास्त्री, राजकुमार शर्मा, नवदीप कैरो, सतीश भोला, सुभाष शर्मा, कौशल, मन्नू, रामस्वरूप, कालूराम, कुलदीप, दिनेश राड़ आदि उपस्थित थे।

अमर उजाला - 11/1/17

जल प्रबंधन करना आज समय की मांग

जीवन के लिए जल जरूरी : कुलपति

भले ही मानव ने चंद्रमा व मंगल ग्रह पर पहुंचने में महारत हासिल कर ली हो, परन्तु वहां भी पानी के बिना मानव जीवन संभव नहीं हो सकता

हरिभूमि न्यूज. हिसार

हिसार। सेमिनार में उपस्थित वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार, निखिल गजराज व प्रशांत भारद्वाज।

जीवन के लिए जल अति आवश्यक है, इसलिए प्राकृतिक जल संसाधनों एवं जल स्रोतों का संरक्षण करके जल प्रबंधन करना आज समय की मांग है।

यह बात गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के उप कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कही। प्रो. कुमार बृहस्पतिवार को मानव जीवन में जल महत्व को लेकर जल मंच की ओर से गुजवि के चौ. रणबीर सिंह सभागार में हमारी सभ्यता और जल व्यवस्था पर आयोजित एक सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। उपकुलपति ने कहा कि भले ही मानव ने चंद्रमा व मंगल ग्रह पर पहुंचने में महारत हासिल कर ली हो, परन्तु वहां भी पानी के बिना मानव जीवन संभव नहीं हो सकता।

पृथ्वी पर स्वच्छ पेयजल के उपलब्ध संसाधनों का न केवल उचित प्रबंधन होना चाहिए, बल्कि किफायती प्रयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भूजल रिचार्जिंग एवं वर्षा जल संचयन की व्यवस्था करनी चाहिए, इससे भूमिगत जल स्तर व पानी की व्यवस्था को बनाए रखा जा सकता है।

पानी मानव जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण : गजराज

सेमिनार को सम्बोधित करते हुए उपायुक्त निखिल गजराज ने कहा कि विश्व में सबसे पहले सभ्यताओं का विकास नदियों के किनारों पर ही हुआ है, क्योंकि कोई भी व्यवस्था पानी के बिना विकसित हीं नहीं हो सकती। भारत में भी सभ्यताएं नदियों के किनारे ही विकसित हुई हैं, क्योंकि इन नदियों का जल प्राकृतिक रूप से सबसे शुद्ध होता है। हवा, पानी मानव जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इसलिए पानी बचाना जरूरी है।

सभी को चाहिए कि वो जल संसाधनों को बचाएं व पानी का किफायती प्रयोग करें, क्योंकि इसी में ही बुद्धिमता व समझदारी है।

विलुप्त हो चुकी सरस्वती नदी के अवशेष बाकी : भारद्वाज

हरियाणा सरस्वती हैरिटेज विकास बोर्ड के डिप्टी चेयरमैन प्रशांत भारद्वाज ने कहा कि सरस्वती नदी विलुप्त हो चुकी है, लेकिन आज भी इसके अवशेष बाकी हैं। सरटेलाइट के माध्यम से सरस्वती नदी के उदगमस्थल व निकासी स्थानों का मानचित्र तैयार किया गया है। इन स्थानों को आपस में जोड़कर नदी का रास्ता ढूंढा गया है। उन्होंने कहा कि आज भी सरस्वती नदी के वजूद में 60 लाख लोगों को पेयजल उपलब्ध करवाने की क्षमता है।

विश्व की अधिकतर सभ्याताएं नदी के किनारों पर ही बसी थी। सरस्वती नदी का पानी हरियाणा, राजस्थान से होता हुआ कच्छ की खाड़ी में गिरता था। मानव रचना इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के बॉयोटेक विभाग की प्रो. सरिता सचदेवा ने फरीदाबाद की बडखल झील पर एक शोध प्रस्तुत किया, जिसमें उन्होंने दिखाया कि इस झील का दायरा सिकुड़ गया है। उन्होंने ऐसे ही अन्य प्राकृतिक जल संसाधनों के रखरखाव बारे जानकारी दी। जल स्रोतों के रूप में ऐसे संसाधनों का महत्व बेहद होता है। अतः ऐसे संसाधनों का रखरखाव करना बेहद जरूरी है।

लोगों को जागरुक करने जरूरी : ढूल

जल मंच के कंवीनर कृष्ण कुमार ढूल ने सेमिनार में उपस्थित सभी का स्वागत करते हुए बताया कि प्राकृतिक जल संसाधनों के अत्याधिक दोहन के कारण आज लोगों को जागरुक करने के लिए इस तरह के सेमिनारों के आयोजन की बहुत आवश्यकता है और वे जरूरत के अनुसार ही पानी का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि मानवीय सभ्यताओं और जल व्यवस्था में गहरा संबंध रहा है। सभी जानते हैं कि जल ही जीवन है। अब प्राकृतिक जल संसाधनों को नजर अंदाज करना उचित नहीं है। सेमिनार में डा. आशीष वशिष्ठ, जल मंच के अन्य पदाधिकारी, सरपंचों, जीजेयू विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों, विद्यार्थियों व अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

हरि भूमि 14/1/17

पांच किलोमीटर दौड़ में ललित प्रथम

स्वामी विवेकानंद की 154 वीं जयंती पर गुजवि में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा है कि भारतीय युवाओं की क्षमता का लोहा दुनिया मान रही है। युवाओं में अच्छे संस्कार होंगे तभी देश का भविष्य भी उज्जवल होगा। डॉ. पुंडीर विश्वविद्यालय के खेल विभाग द्वारा स्वामी विवेकानंद के 154वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय युवा दिवस के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय के खेल परिसर में दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें ओपन पांच किलोमीटर दौड़ में ललित ने प्रथम रहा।

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर दौड़ के प्रतिभागियों को झंडी दिखाते विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर। साथ में हैं खेल निदेशक डॉ एसबी लूथरा एवं अन्य।

कुलसचिव डॉ. पुंडीर ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणास्रोत थे। स्वामी विवेकानंद के बताए रास्ते की अनुपालन करना ही उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि नवयुवक उनके बताए रास्ते पर चले तथा बड़ों का यह कर्तव्य बनता है कि वे स्वामी विवेकानंद के जीवन के बारे में नवयुवकों को बताएं। एबीवीपी के संगठन मंत्री दीपक कुमार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने समतापूर्ण समाज स्थापित करने का कार्य किया।

वे नारी सशक्तिकरण के प्रबल समर्थक थे। खेल निदेशक डॉ. एसबी लुथरा ने बताया कि कार्यक्रम में पुरुष ओपन वर्ग में पांच किलोमीटर दौड़, लड़कियों के वर्ग में तीन किलोमीटर दौड़, कर्मचारियों के 15 वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों में लड़कों के वर्ग में दो किलोमीटर दौड़ तथा लड़कियों के वर्ग में एक किलोमीटर दौड़ का आयोजन किया गया। मंच संचालन योगा शिक्षक प्रकाश पतंजलि ने किया। इस अवसर पर सहायक खेल निदेशक मृनालिनी नेहरा, खेल विशेषज्ञ डॉ. बलजीत गिरधर, प्रो. जेसी नूनिया, कोच रामकेश, कोच कुलदीप सिंह, कोच अशोक कुमार, तीर अंदाजी शिक्षक संदीप कुमार, फुटबाल कोच विनोद तथा कबड्डी कोच सुरेश सहित प्रो. विक्रम कौशिक, प्रो. सुजाता सांघी, प्रो. नीरज दिलबागी, प्रो. आशीष अग्रवाल, डा. मीनाक्षी भाटिया, डा. सुमन दहिया, अजीत सिंह व सुशीला सिवाच उपस्थित थे। पुरुष वर्ग ओपन पांच किलोमीटर दौड़ में ललित ने प्रथम, संदीप कुमार ने द्वितीय व राकेश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों के लड़कों के वर्ग में पांच किलोमीटर दौड़ में राजेश ने प्रथम, दीपक ने द्वितीय व पवन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लड़कियों के वर्ग में तीन किलोमीटर दौड़ में नीरू ने प्रथम, प्रियंका ने द्वितीय व काफी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कर्मचारियों के 15 वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों में लड़कों के वर्ग में दो किलोमीटर दौड़ में गर्वित ने प्रथम, विकास ने द्वितीय व नरेन्द्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा कर्मचारियों के 15 वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों में लड़कियों के वर्ग में एक किलोमीटर दौड़ में हिमांशी ने प्रथम, काजल ने द्वितीय व सीमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कुश्ती के 54 किलोग्राम भारवर्ग में कुलदीप का चयन

संवाद सहयोगी, हिसार : जिला कुश्ती एसोसिएशन के तत्वावधान में बृहस्पतिवार को महाबीर स्टेडियम में जिला स्तर पर कुश्ती के ट्रायल लिए गए। जिसमें विभिन्न भारवर्ग में लड़कों व लड़कियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में मुख्यातिथि के रूप में एसोसिएशन के प्रधान हवा सिंह खारिया ने शिरकत की। प्रतियोगिता में करीब 400 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिला सचिव सुभाष चंद्र ने बताया कि प्रतियोगिता में लड़कों की फ्री स्टाइल व ग्रीको रोमन कुश्ती करवाई गई लड़कों में 42 किलोग्राम भारवर्ग में रविंद्र, 46 किलोग्राम भारवर्ग में अनिल, 50 किलोग्राम भारवर्ग में विपिन, 54 किलोग्राम भारवर्ग में कुलदीप, 58 किलोग्राम भारवर्ग में नीर, 63 किलोग्राम भारवर्ग में विश्वास, 69 किलोग्राम भारवर्ग में विशाल, 76 किलोग्राम भारवर्ग में नरेश, 85 किलोग्राम भारवर्ग में दीपक व 85 से ऊपर भारवर्ग में मनदीप का चयन हुआ है। वहीं ग्रीको रोमन में 42 किलोग्राम भारवर्ग में अनिल, 46 किलोग्राम भारवर्ग में रविंद्र, 50 किलोग्राम भारवर्ग में अंकित, 54 किलोग्राम भारवर्ग में विकास, 58 किलोग्राम भारवर्ग में सुभाष, 63 किलोग्राम भारवर्ग में केवल, 69 किलोग्राम भारवर्ग में पवन, 76 किलोग्राम भारवर्ग में विजेंद्र, 85 किलोग्राम भारवर्ग में सोनू व 85 से ऊपर भारवर्ग में राकेश का चयन हुआ है।

दैनिक जागरण 14/1/17

गुजवि में युवा दिवस पर विवेकानंद को किया याद

कार्यक्रम का उद्घाटन करते कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर।

हिसार, 12 जनवरी (का.प्र.): गुजवि हिसार कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा है कि भारतीय युवाओं की क्षमता का लोहा दुनिया मान रही है।

युवाओं में अच्छे संस्कार होंगे तभी देश का भविष्य भी उज्ज्वल होगा। डा. पुंडीर विवि खेल विभाग के सौजन्य से स्वामी विवेकानंद के 154वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय युवा दिवस के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विवि खेल परिसर में दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कुलसचिव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवाओं के प्रेरणास्त्रोत थे।

ए.बी.वी.पी. संगठन मंत्री दीपक कुमार ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने समतापूर्ण समाज स्थापित करने का कार्य किया। वे नारी सशक्तिकरण के प्रबल समर्थक थे।

खेल निदेशक डा. एस.बी. लुथरा ने बताया कि कार्यक्रम में पुरुष वर्ग में 5 कि.मी. दौड़, विद्यार्थियों के लड़कों के वर्ग में 5 कि.मी. दौड़, विद्यार्थियों के लड़कियों के वर्ग में 3 कि.मी. दौड़, कर्मचारियों के 15 वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों में लड़कों के वर्ग में 2 कि.मी. दौड़ तथा कर्मचारियों के 15 वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों में लड़कियों के वर्ग में 1 कि.मी. दौड़ का आयोजन किया गया।

ये रहा परिणाम

पुरुष वर्ग ओपन 5 कि.मी. दौड़ में ललित ने प्रथम, संदीप कुमार ने द्वितीय व राकेश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों के लड़कों के वर्ग में 5 कि.मी. दौड़ में राजेश ने प्रथम, दीपक ने द्वितीय व पवन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लड़कियों के वर्ग में 3 कि.मी. दौड़ में नीरू ने प्रथम, प्रियंका ने द्वितीय व काफी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कर्मचारियों के 15 वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों में लड़कों के वर्ग में 2 कि.मी. दौड़ में गर्वित ने प्रथम, विकास ने द्वितीय व नरेन्द्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा कर्मचारियों के 15 वर्ष से कम आयुवर्ग के बच्चों में लड़कियों के वर्ग में एक किलोमीटर दौड़ में हिमांशी ने प्रथम, काजल ने द्वितीय व सीमा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सहायक खेल निदेशक मृनालिनी नेहरा, खेल विशेषज्ञ डा. बलजीत गिरधर, प्रो. जे.सी. नुनिया, कोच रामकेश, कोच कुलदीप सिंह, कोच अशोक कुमार, तीर अंदाजी शिक्षक संदीप कुमार, फुटबाल कोच विनोद तथा कबड्डी कोच सुरेश सहित प्रो. विक्रम कौशिक, प्रो. सुजाता सांघी, प्रो. नीरज दिलबागी, प्रो. आशीष अग्रवाल, डा. मीनाक्षी भाटिया, डा. सुमन दहिया, अजीत सिंह व सुशीला सिवाच उपस्थित थे।

पंजाब केसरी हिसार 13/1/17

हर कोई स्वच्छता की कसम ले तो देश स्वच्छ हो जाए : डा. मलिक

कार्यशाला में मंच पर उपस्थित अतिथिगण।

हिसार, 18 जनवरी (का.प्र.): गुजवि में स्वच्छ भारत विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

हरियाणा सरकार के स्वच्छ भारत मिशन सलाहकार डा. योगेन्द्र मलिक ने कहा कि अगर हम आज से भी स्वच्छता कायम रखने की शपथ ले लें तो आने वाले कुछ समय में ही समूचा भारत स्वच्छ हो जाएगा। भारत को स्वच्छ बनाने के लिए जन भागीदारी आवश्यक है। यह कार्यक्रम मेरठ की 'पहल एक प्रयास' संस्था के प्रयास से आयोजित किया गया। राष्ट्रीय सफाई अभियान से जुड़ी इस संस्था के डा. विश्वजीत बेम्भी

पेड़ काटे नहीं गए, फिर से रोपित किए जाएंगे : गुजवि

हिसार, 18 जनवरी (का.प्र.): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वर्कर्स विभाग में कार्यरत कार्यकारी अभियंता जनस्वास्थ्य रघुबीर सिंह ने कहा है कि उन्होंने न अभी तक कोई पेड़ काटा है और न ही कभी काटा जाएगा। अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के आजीवन सदस्य पृथ्वी सिंह बेनीवाल बिश्नोई ने बताया कि रघुबीर सिंह ने 440 गुणा 330 फुट के आकार की जगह की वाटर टैंक बनाने की जरूरत है। इसके लिए उन्होंने एक एकड़ भूमि साफ करने के लिए कुछ झाड़ियां और कचरा काटा गया है तथा पेड़ अभी ज्यों के त्यों खड़े हैं। उन्हें फरवरी में वहां से वैज्ञानिक विधि से उखाड़ कर अन्य सुरक्षित जगह पर पुनः रोपित किया जाएगा। बेनीवाल ने कहा कि इस मामले में विवि कुलपति प्रोफैसर टंकेश्वर कुमार का कहना है कि गुरु जम्भेश्वर की वाणी की शिक्षाओं पर चलते हुए कोई पर्यावरण का नियम नहीं टूटने दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि वे बाहर होने के कारण वे इस मामले को नहीं देख पाए हैं।

डा. पांडेय प्रिंट श्री अवार्ड से सम्मानित

डा. अम्बरीष पांडेय के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

हिसार, 18 जनवरी (का.प्र.): गुजवि प्रिंटिंग टैक्नोलॉजी विभाग शिक्षक डा. अम्बरीष पांडेय को 'प्रिंट श्री अवार्ड-2017' से आफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन की वार्षिक आम बैठक में लुधियाना में आयोजित कार्यक्रम में ए.आई.एफ.एम.पी., ओ.पी.ए. एवं आई.पी.ए.एम.ए. के अध्यक्ष तथा महासचिव द्वारा प्रदान किया गया। विवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार एवं कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने उन्हें बधाई दी है। इस अवसर पर ए.आई.एफ.एम.पी., ओ.पी.ए. एवं आई.पी.ए.एम.ए. अध्यक्ष तथा महासचिव तथा कार्यकारिणी के सदस्यों ने प्रिंटिंग टैक्नोलॉज़ी विभाग के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट को-आर्डिनेटर पंकज कुमार को भी सम्मानित किया तथा विश्वविद्यालय के प्रिंटिंग तथा पैकेजिंग प्रयोगशालाओं को सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों की प्लेसमैंट हेतु पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। मलिक ने कहा कि सिंगापुर भारत के बाद आजाद हुआ था लेकिन वहां के लोगों ने देश को स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया। परिणामस्वरूप आज सिंगापुर दुनिया का सबसे साफ -सुथरा देश है। स्वच्छ भारत मिशन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया एक ऐसा अभियान है जिसको जन आंदोलन बनाने के लिए जन भागीदारी जरूरी है। विवि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने कहा कि सबसे पहले यह जरूरी है कि हम अपने आस-पास की गंदगी को देखें। डा. विश्वजीत बेम्भी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों को इस अभियान को कैसे जन आंदोलन बनाया जाए, की जानकारी दी। इस अवसर पर डा. सुमन दहिया, डा. कश्मीरी लाल, डा. एस.बी. लुथरा तथा दलबीर सिंह उपस्थित रहे।

पंजाब केसरी हिसार- 14/1/17

जीजेयू में शुरू हुआ ऑन-कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव सप्ताह

हिसार, 18 जनवरी (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सौजन्य से शुरू हुए ऑन-कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव सप्ताह में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित कैम्पस प्लेसमैंट कार्यक्रम में पांच विद्यार्थियों का चयन आईमेंटर नॉलेज सर्विसिज एंड मोबीलीजियोन, दिल्ली में हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि आईमेंटर नॉलेज सर्विसिज एंड मोबीलीजियोन कंपनी के वरिष्ठ आर्किटैक्ट अभिमन्यु एवं वरिष्ठ सॉफ्टवेयर इंजीनियर पराग ने प्लेसमैंट कार्यक्रम में विद्यार्थियों का लिखित परीक्षा, समूह वार्तालाप एवं तकनीकी एवं एचआर साक्षात्कार लिया। इस प्लेसमैंट कार्यक्रम के लिए न्यूनतम 70 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी योग्य थे। चयनित विद्यार्थियों में कंप्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग के हेमंत, इलैक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के अपूर्व पांडे, आरूषी व हरीश तथा एमबीए के शफाक खान शामिल हैं। यह ऑन-कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव सप्ताह 20 जनवरी तक चलेगा। इस अवसर पर इलैक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष डा. संजीव ढुल, ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट कोर्डिनेटर अजय पूनिया तथा ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह उपस्थित थे।

पाठक पक्ष - 18/1/17

जीजेयू के 10 छात्रों को मिला प्लेसमैंट

हिसार, 19 जनवरी (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सौजन्य से चल रहे ऑन-कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव सप्ताह में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आयोजित कैम्पस प्लेसमैंट कार्यक्रम में दस विद्यार्थियों का चयन हुआ है। इनमें से पांच विद्यार्थियों का चयन समारम्भ टैक्नोमैनेजमैंट प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव तथा पांच विद्यार्थियों का चयन मैसर्ज स्कूटर ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव में हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि चयनित विद्यार्थियों में कंप्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के सचिन कुमार, विशाल यादव, दीक्षा भाटिया, श्वेता रानी व हीना धीमान शामिल हैं। मैसर्ज स्कूटर ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव में कंप्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के राजन शर्मा तथा इलैक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन विभाग के प्रदीप कुशवाहा, रोहित चौहान, पवन शर्मा व शशांक पराशर का चयन हुआ है।

पाठक पक्ष - 19/1/17

सुविधा शहर के तीनों विश्वविद्यालय, रिसर्च सेंटर, हरसैक और अग्रोहा मेडिकल संस्थान के विद्यार्थियों को सुविधाओं के प्रयोग के लिए मिलेगा एक मंच

नॉलेज हब में मिलेगा शोध, चिकित्सा, साइंस, उद्योग व कृषि का ज्ञान

जीजेयू के बायो नैनोटेक विभाग के प्रो. नीरज करेंगे कार्डिनेट

मनोज कौशिक | हिसार

आमतौर पर किसी भी विश्वविद्यालय में विशेष स्ट्रीम की शिक्षा दी जाती है। शिक्षा से जुड़े अन्य संस्थान भी अपने-अपने क्षेत्र में काम करते हैं और यहां पढ़ने वाले विद्यार्थी भी विषय विशेषज्ञ ही होते हैं। मगर जीजेयू ने इस परंपरा में बदलाव करते हुए एक नए तरह का प्रोजेक्ट तैयार किया है। इसके तहत हिसार एक नॉलेज हब बनाया जाएगा जिसमें एक साथ शोध, चिकित्सा, विज्ञान, कृषि का ज्ञान मिल सकेगा। इतना ही नहीं यह ज्ञान आपस में एक्सचेंज भी किया जाएगा और विद्यार्थी उन विषयों का ज्ञान भी अर्जन कर सकेंगे, जिसके बारे में वो जानने के उत्सुक रहते हैं या फिर कल्पना करते हैं।

इस खास प्रोजेक्ट के तहत जीजेयू, लुवास और एचएयू तो एक साथ हैं। खास बात यह भी है कि इस प्रोजेक्ट में सभी रिसर्च सेंटर, अग्रोहा मेडिकल कॉलेज और हरसैक और एचएयू का टिशू कल्चर पेपर सेंटर भी मिलकर काम करेंगे। इसे अमलीजामा पहनाया जा सके इसके लिए विवि के कुलपति और रिसर्च सेंटर हेड बैठक भी कर चुके हैं। वहीं अब आगामी प्रोसेस शुरू कर दी है। इस प्रोजेक्ट को कार्डिनेट करने का काम जीजेयू के बायो नैनोटेक विभाग प्रोफेसर नीरज दिलबागी को दिया गया है।

एक्सचेंज रिसोर्स में इस तरह से होगा काम

विवि और रिसर्च सेंटर में शोध करने वाले विद्यार्थी एक-दूसरे संस्थान की लैब का प्रयोग कर सकेंगे और साथ ही इक्यूपमेंट भी। वहीं शोधार्थी स्टेट और नेशनल लेवल पर साइंस और कृषि तकनीकों को मिलाकर नए तरीके का शोध भी करेंगे। इसके अलावा लाइब्रेरी का प्रयोग करना भी इसमें शामिल किया जाएगा। विवि विद्यार्थियों को आपस में भ्रमण करवाया जाएगा, ताकि वो हट के जानकारी अर्जन कर सकें। खास बात तो यह रहेगी की किसी भी इवेंट, मेले के आयोजन या सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी विद्यार्थी एक साथ होंगे। प्रबंधन के विद्यार्थियों को कृषि का ज्ञान, कृषि वालों को प्रबंधन का ज्ञान दिया जाएगा। हरसैक में विज्ञान के नए आयाम तो टीटीसी में हार्ड ट्रेनिंग भी दी जाएगी।

नॉलेज हब से ये होगा लाभ, पंचायतों तक पहुंच बनाने की तैयारी

वीसी प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि सुविधाओं और रिसोर्स के अभाव में कई बार बहुत से कामयाब प्रोजेक्ट अंतिम परिणाम तक नहीं पहुंच पाते हैं। वहीं विषय विशेषज्ञ बनने के चक्कर में हम कई नवीन और अहम शिक्षा ग्रहण करने से वंचित रह जाते हैं। नॉलेज हब में इक्यूपमेंट और लैब के आदान-प्रदान से विद्यार्थियों को किसी पर आधारित नहीं रहना पड़ेगा और शोध का का जल्दी हो सकेगा। लाइब्रेरी में रखी दुर्लभ किताबों को पढ़ने का मौका मिलने से ज्ञान बढ़ेगा। सांस्कृतिक गतिविधियों में एक साथ होने से विद्यार्थियों का आपस में व्यक्तित्व विकास होगा। हरसैक की विज्ञान प्रणाली और मेडिकल कॉलेज की सेवा को जानने से नया दृष्टिकोण पैदा होगा। वहीं प्रयास है कि इस प्रोजेक्ट में पंचायतों को शामिल किया जा सके, लोगों से सुझाव लिए जा सकें व उन्हें नवीन जानकारी दी जा सके।

नॉलेज हब होगा नया और अलग प्रयास

नॉलेज हब को बनाने के लिए 17 जनवरी को एक बैठक की जा चुकी है। इसमें सभी कुलपति और प्रतिनिधि मौजूद थे। वहीं अब हरेक संस्थान से नोडल अधिकारी बनाकर कोर कमेटी बनाने के लिए आवेदन मांगे गए हैं, इसके लिए फरवरी में एक बैठक होगी। जल्द ही इस प्रोजेक्ट को शुरू कर दिया जाएगा।"
-प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू।

दैनिक भास्कर - 29/1/17